एमएसएमई की भरमार, लखनऊ में आंकड़ा दो लाख पार

2024 में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में ही राजधानी में आए थे दो लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

- निवेश से एमएसएमई इकाइयों की संख्या में हो रही बढ़ोतरी
- इकाइयों से सुधरेंगे आर्थिक हालत और मिलेगा रोजगार

जागरण संवाददाता • लखनऊ : राजधानी में लगातार निवेश और कई बड़ी कंपनियों के आने से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की संख्या भी बढ़ रही है। जिला उद्योग केंद्र के ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो एमएसएमई की संख्या दो लाख को पार कर गई है। एमएसएमई इकाइयों की बढ़ती संख्या से रोजगार और नौकरियों के अपार अवसर भी पैदा होने की संभावनाएं हैं।

बहुत समय नहीं हुआ जब लखनऊ को उद्योगों के लिहाज से बेहद पिछड़ा जिला कहा जाता था। कानपुर, मेरठ और गाजियाबाद जैसे शहरों में उद्योग पनपते गए, लेकिन लखनऊ इस लिहाज से पिछड़ता गया। लखनऊ में जब भी इंडस्ट्री की बात होती है तो स्कूटर्स इंडिया, टेल्को और एचएएल के अलावा और कोई बड़ा नाम सुनने को नहीं मिलता था। औद्योगिक क्षेत्रों के हालात भी ठीक नहीं थे।

पूर्व में उद्यमियों के प्रति सरकारों का रवैया, नीतियों और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी के चलते निवेशकों ने दूरी बनाए रखी। मगर पिछले कुछ समय से निवेशकों ने लखनऊ में दिलचस्पी दिखाई है, जिसका नतीजा है कि अब लखनऊ में एमएसएमई इकाइयों की संख्या दो लाख को पार कर गई है। उपायुक्त उद्योग मनोज चौरसिया का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में एमएसएमई इकाइयों के पंजीकरण से स्पष्ट है कि लखनऊ में भी लघु, सूक्ष्म और मध्यम इकाइयां लग रही हैं। इससे न केवल अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा, बल्कि बड़ी संख्या में रोजगार भी सृजित होंगे।

मनोज का कहना है कि अशोक लीलैंड, पीटीसी, ब्रम्होस, जैसी बड़ी कंपनियों के तो प्लांट हैं ही, पारंपरिक चिकन इंडस्ट्री, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी और खादी ग्रामोद्योग के माध्यम से भी युवा रोजगार से जुड़ रहे हैं। इसके अलावा कई सेक्टरों में डिमांड बढ़ रही जिनकी वजह से एमएसएमई सेक्टर में तेजी नजर आ रही है। फरवरी 2024 में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में ही राजधानी में दो लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए थे।

इनमें इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर रक्षा, आइटी, फिल्म, आवास, खेल और एमएसएमई सहित विभिन्न सेक्टरों में निवेशकों ने भरोसा जताया था। अगर केवल एमएसएमई सेक्टर की बात करें तो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में एमएसएमई सेक्टर में करीब पांच हजार करोड़ का निवेश हुआ था, जो अब बढ़कर दोगुना हो गया है।

वहीं उद्यमी और अमौसी औद्योगिक क्षेत्र के महासचिव रजत मेहरा का कहना है कि विभिन्न सेक्टर में मांग बढ़ रही है, जिससे एमएसएमई इकाइयों के लिए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। जैसे-जैसे निवेश आएगा इनकी संख्या बढ़ती रहेगी।